मुख्यमंत्री की मौजूदगी में शेखावत और राठौड़ के बीच सुलह की बातचीत

- शेरगढ़ से भाजपा विधायक बाबू सिंह राठौड़, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के खिलाफ रहे हैं। हाल ही गजेन्द्र सिंह शेखावत के खिलाफ संजीवनी पीड़ितों के धरने प्रदर्शन में वे शामिल हुए थे। भाजपा हाईकमान के निर्देश पर मुख्यमंत्री ने दोनों नेताओं को जयपुर बुलाकर बात की तथा सुलह कराई।

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को भाजपा के दो नेताओं, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं विधायक बाबू सिंह राठौड़ के बीच सुलह करवा दी। मु.मंत्री को जैसे ही ज्ञात हुआ कि, बाबू सिंह राठौड़, गजेन्द्र सिंह शेखावत के खिलाफ संजीवनी कोऑपरेटिव मामले में सार्वजनिक धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने तुरंत फोन करके विधायक के साथ शेखावत की सुलह वार्ता करवाई। इस बातचीत के बाद राठौड़ और शेखावत दोनों ने मीडिया के समक्ष फोटो भी खिंचवाई।

जयपुर, 9 मार्च (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ के बीच सुलह कराने की कोशिश की।

शनिवार को जयपुर में मुख्यमंत्री आवास (ओटीएस) पर मुख्यमंत्री की मौजूदगी में शेखावत और राठौड़ की बातचीत हुई। मामले को लेकर भाजपा हाईकमान तक रिपोर्ट गई थी, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। मुलाकात के बाद राठौड़ ने कहा कि "यह परिवार का मामला है।" मुख्यमंत्री ने राठौड़ को शेखावत के खिलाफ किसी तरह की बयानबाजी नहीं करने के लिए कहा है।

शेखावत के खिलाफ संजीवनी पीड़ितों के साथ धरना देने और नारेबाजी करने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल ने शेरगढ़ विधायक को जयपुर तलब किया था। राठौड़ शुक्रवार रात धरना खत्म कर जयपुर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल ने पहले राठौड़ से अकेले में बैठकर बातचीत की। इस दौरान उन्हें हाईकमान का मैसेज दिया गया। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हुई इस बातचीत के बाद किसी तरह का बयान सामने नहीं आया है।

हालांकि मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद शेखावत और राठौड़ ने साथ फोटो खिंचवाए, किन्तु फोटोज़ को सार्वजनिक किया गया है। फोटो में दोनों नेताओं की बॉडी लैंग्वेज देखकर कई तरह की चर्चा है। फिलहाल मुख्यमंत्री ने सुलह का प्रयास जरूर किया है, लेकिन यह सब कुछ बाबू सिंह पर निर्भर करेगा। इस मुलाकात को लेकर राठौड़ ने कहा कि "हमारी अच्छी बात हुई। हम पार्टी में हैं और पार्टी के लिए समर्पित हैं।" उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में हम सब मिलकर पार्टी के लिए काम करेंगे और हम सभी पार्टी से बंधे हैं।"

बसपा अकेले ही लोकसभा चुनाव लड़ेगी

नई दिल्ली 9 मार्च (वार्ता) बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने आगामी लोकसभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन करने की अटकलों को खारिज करते हुए शनिवार को कहा कि बसपा अपने दम पर अकेले चुनाव लड़ेगी। सुश्री मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा कि बसपा के संबंध में गठबंधन को लेकर गलतफहमी और गलत जानकारियां फैलाई जा रही है।

मुख्य चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजीव कुमार को अब अकेले ही अपने बलबूते पर चुनावों की व्यवस्था करनी पड़ेगी क्योंकि दूसरे चुनाव आयुक्त अनूप पांडे 15 फरवरी को सेवानिवृत हो चुके हैं और उनके रिक्त स्थान को भरा नहीं गया है। केन्द्र सरकार ने पांडे के स्थान पर नये चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए, इन नियुक्तियों के लिए बनाए गए नए कानूनों के अनुसार, समिति बनाकर प्रक्रिया शुरु कर दी है लेकिन अरुण गोयल के त्यागपत्र ने सबको चौंका दिया है।

भाजपा-बीजू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तेलगुदेशम पार्टी तथा पवन कल्याण की जनसेना के साथ समझौता हो गया लगता है। वरिष्ठ टी.डी.पी. नेता एवं राज्यसभा सांसद के. रविन्द्र कुमार ने कहा कि, जनसेना, भाजपा और टी.डी.पी. ने सैद्धांतिक रुप से आगामी चुनावों में सहयोग करने का निर्णय लिया है तथा विस्तृत रुप-रेखा पर कार्य चल रहा है।

लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने राजस्थान कांग्रेस में फिर सेंध मारी

कटारिया, राजेन्द्र यादव, रिछपाल, विजय पाल मिर्धा, खिलाड़ी बैरवा, आलोक बेनीवाल, रामपाल शर्मा, सुरेश चौधरी रविवार को भाजपा में शामिल होंगे

- इन में से कई नेताओं की विधानसभा चुनावों के दौरान भी भाजपा में शामिल होने की चर्चा थी।
- लाल चन्द कटारिया व राजेन्द्र यादव राजस्थान की गहलोत सरकार के प्रमुख मंत्री थे और अशोक गहलोत के नज़दीकी माने जाते थे।
- रिछपाल मिर्धा उनके पुत्र विजयपाल मिर्धा, पूर्व राज्यपाल कमला बेनीवाल के पुत्र आलोक बेनीवाल तथा उनके समधी सुरेश चौधरी नागौर व जयपुर के प्रमुख जाट नेता हैं।

जयपुर, 9 मार्च (का.सं.)। लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा कांग्रेस में एक बड़ी सेंधमारी करने जा रही है। पूर्व कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, पूर्व गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव, पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा, विजयपाल मिर्धा, खिलाड़ीलाल बैरवा, आलोक बेनीवाल, के अलावा रामपाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

रविवार को 11 बजे भाजपा मुख्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी की मौजूदगी में कांग्रेसी नेता भाजपा में शामिल होंगे। गहलोत सरकार में कृषि मंत्री और यूपीए सरकार में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रहे लालचंद कटारिया की विधानसभा चुनावों के दौरान भी भाजपा में जाने की चर्चा थी। कटारिया ने इस बार झोटवाड़ा से विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था।

कटारिया के साथ उनके दामाद एवं डेगाना से पूर्व विधायक विजयपाल मिर्धा और उनके समधी कांग्रेस के पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा भी भाजपा में शामिल हो रहे हैं। ज्योति मिर्धा के भाजपा में जाने के साथ ही रिछपाल मिर्धा और विजयपाल मिर्धा के भाजपा में जाने के कयास लग रहे थे। विजयपाल मिर्धा को डेगाना से कांग्रेस का टिकट मिला, लेकिन वह हार गए थे। रिछपाल मिर्धा ने हाल ही भाजपा के पक्ष में खुलकर बयान दिए थे।

उन्होंने कहा था कि "भाजपा राजस्थान की सभी 25 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। कांग्रेस में जनाधार वाले नेताओं की कद्र नहीं है।" उधर लालचंद कटारिया विधानसभा चुनावों के वक्त से ही साइलैंट हैं, लेकिन वे भाजपा के केंद्रीय नेताओं के संपर्क में रहे हैं। कटारिया और राजेंद्र यादव कई बार दिल्ली जाकर भाजपा के केंद्रीय नेताओं से मिल चुके हैं। राजेंद्र यादव, गहलोत सरकार में गृह राज्य मंत्री थे। वे लंबे समय तक जयपुर ग्रामीण के कांग्रेस जिलाध्यक्ष भी रहे। विधानसभा चुनावों से पहले राजेंद्र यादव के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापे मारे थे। पोषाहार घोटाले को लेकर भी उनकी कंपनी पर छापेमारी हुई थी।

उस वक्त यादव ने खुलकर कहा था कि उन्होंने कोई गड़बड़ नहीं की और वे नहीं झुकेंगे। आलोक बेनीवाल गुजरात की पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमला बेनीवाल के पुत्र हैं। वह पिछली बार कांग्रेस का टिकट कटने पर बगावत करके शाहपुरा से निर्दलीय चुनाव जीते थे। इसके बाद उन्होंने पूरे पांच साल अशोक गहलोत और उनकी सरकार को समर्थन दिया। इस बार विधानसभा चुनावों में आलोक बेनीवाल का टिकट फिर काट दिया गया तो वह पुन: निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में चुनाव लड़े, किन्तु हार गए। आलोक बेनीवाल के समधी एवं कांग्रेस सेवादल के पूर्व प्रदेश प्रमुख सुरेश चौधरी भी उनके साथ भाजपा में शामिल होंगे।

गौरतलब है कि विधानसभा चुनावों से लेकर अब तक बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता भाजपा में जा चुके हैं। पूर्व सासंद ज्योति मिर्धा, सवाई सिंह चौधरी, बाड़ी से पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा, पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल, पीपल्दा से पूर्व कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री राम गोपाल बैरवा, कोटा के कांग्रेस नेता एवं खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष पंकज मेहता, तारानगर से पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे चंदनमल बैद के बेटे चंद्रशेखर बैद और पूर्व विधायक नंदलाल पूनिया भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

रेलवे ने कबाड़ बेचकर रिकॉर्ड 514 करोड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आ सकती हैं। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधरी ने बताया कि रेलवे ने स्क्रैप बिक्री में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 514.06 करोड़ रुपये कबाड़ से कमाए हैं। सालाना बिक्री का लक्ष्य 500 करोड़ रुपये ही था। इस प्रकार कबाड़ बेचकर की गई कमाई में उत्तर रेलवे पहले स्थान पर है। रेलवे के जानकार बताते हैं कि उत्तर रेलवे ने कबाड़ बेचकर जितनी कमाई की है, उसमें करीब पांच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बनाई जा सकती हैं। एक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की लागत करीब 107 करोड़ रुपये आती है।

रेलवे के अनुसार, कबाड़ से राजस्व तो मिलता ही है। साथ ही स्टेशन परिसर भी साफ-सुथरा होता है। इस कबाड़ में रेल पटरियों के टुकड़े, स्लीपर, टाई बार को इकट्ठा कर बेचा जाता है। इसके अलावा स्टाफ क्वार्टरों, केबिन, शैडो, वाटर टैंकों से निकला कबाड़ भी शामिल हैं। इससे शरारती तत्वों द्वारा पुराने ढांचों के दुरुपयोग की संभावना भी समाप्त होती है। साथ ही, उत्तर रेलवे बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए स्क्रैप पीएसी स्लीपरों का निपटान भी कर रहा है, ताकि राजस्व अर्जित करने के साथ-साथ बहुमूल्य भूमि को रेल गतिविधियों के लिए खाली रखा जा सके।

अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शनिवार को बताया कि हाल ही में पार्टी के तीन विधायकों के सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में चले जाने के कुछ दिनों बाद श्री तुकी ने भी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) को अपना इस्तीफा भेज दिया।

एपीसीसी महासचिव ग्यामर ताना ने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री ने नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि वह वरिष्ठ विधायकों को अन्य राजनीतिक दलों में जाने से नहीं रोक सके। इससे पहले 25 फरवरी को, विपक्षी कांग्रेस के चार विधायकों में से दो दोपासीघाट पश्चिम से निनॉन्ग एरिंग और तिरप जिले के बोरदुरिया-बोगापानी विधानसभा सीट से वांगलिन लोवांगडोंग ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल होने के लिए इस्तीफा दे दिया है, जिससे कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है।

हिमाचल के 11 विधायक चार्टर्ड फ्लाइट से देहरादून...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद ही, बागी विधायकों पर उनका रुख नरम हो गया था। बैजनाथ में शिव रात्रि महोत्सव में शामिल होने गए सुक्खू ने कहा "हमें पता चला है कि, कांग्रेस के छ: बागी और तीन निर्दलीय विधायकों को चार्टेड विमान द्वारा चंडीगढ़ एयरपोर्ट से बाहर ले जाया गया। वो ललित होटल में नहीं हैं।

इन अयोग्य ठहराए गए विधायकों के परिवारजन उनसे वापस लौटने का अनुरोध कर रहे थे और किसी भी तरह के दबाव से बचने के लिए कुछ राजनीतिक ताकतें उन्हें चण्डीगढ़ से बाहर ले गई हैं।"

पालमपुर में पत्रकारों से शुक्रवार को चर्चा करते हुए सुक्खू ने कहा, "कुछ विधायकगण दुखी हैं। उन्हें सी.आर.पी.एफ. की कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। इस प्रकार, लोकतंत्र कैसे मजबूत रहेगा? खरीद-फरोख़्त ने प्रजातंत्र को कमजोर बना दिया है।"

कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी के खिलाफ पिछले माह हुए चुनाव में पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर पार्टी के विरुद्ध वोट देने के बाद कांग्रेस के छ: बागी विधायकों के बजट सत्र के दौरान मतदान से अनुपस्थित रहने के कारण उन्हें हिमाचल विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने अयोग्य घोषित कर दिया था।

पठानिया ने इस मसले पर कहा था कि, जिन छ: विधायकों ने कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था उन पर स्वत: ही दल-बदल विरोधी कानून लागू हो जाता है।

वो विधायक, जिन्होंने राज्यसभा चुनावों में भाजपा के प्रत्याशी हर्ष महाजन के पक्ष में वोट दिया था, उनमें कांग्रेसी विधायक राजिन्दर राणा, सुधीर शर्मा, इंदर दत्त लखनपाल, देविन्दर कुमार भुट्टो, रवि ठाकुर व चैतन्य शर्मा और तीन -निर्दलीय विधायक होश्यार सिंह, के.एल. ठाकुर व आशीष शर्मा शामिल हैं।

ये 11 विधायक शुक्रवार को दोपहर 2.40 बजे देहरादून के जॉली ग्रांट पहुंचे, वहां से वे कार में बैठकर ऋषिकेश के होटल की तरफ गए।

यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री सुक्खू के कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से दिल्ली मिलने जाने के दो दिन बाद हुआ। प्राप्त सूचनानुसार, उस समय मुख्यमंत्री राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस के हाईकमान से मिलने और प्रदेश में चल रहे ताजा राजनीतिक हालात के बारे में रिपोर्ट देने गए थे।

- प्राप्त सूचना के अनुसार, ऋषिकेश गये विधायकों के रिश्तेदार भी इन विधायकों पर बराबर दबाव डाल रहे हैं कि, वे वापस आ जायें। अतः इस दवाब से इन विधायकों को बचाने के लिये उन्हें भाजपा शासित उत्तराखण्ड भेजा गया है।

अभी हिमाचल में जो घटनाक्रम चल रहा है वह जून 2022 में हुई बगावत की कहानी की पुनरावृत्ति है, जब एकनाथ शिन्दे के नेतृत्व वाले बागी शिव सेना विधायकों को सर्वप्रथम गुजरात के सूरत शहर में ले जाया गया था, उसके बाद बागी विधायकों को विमान से गुवाहाटी ले गए थे, वहां उन्हें मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा सख्त सुरक्षा व्यवस्था के अन्तर्गत रखा गया था।

उत्तराखण्ड के कांग्रेस प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट ने आलोचना करते हुए कहा कि, हिमाचल प्रदेश विधानसभा द्वारा छ: बागी विधायकों को अयोग्य घोषित करने के बाद उन्हें उत्तराखंड में लाना, भाजपा ने संवैधानिक पाप किया है।

भट्ट ने एक बयान में कहा कि, "भाजपा ने एक बार पुन: उत्तराखंड की धरती पर संवैधानिक पाप किया है।"

उन्होंने भाजरा से सवाल किया कि, बागी विधायकों की हवाई यात्रा और उनके होटल में ठहरने का खर्चा कौन वहन कर रहा है और क्या हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार को गिराने का षड्यंत्र उत्तराखंड में रचा गया था।

उन्होंने आगे यह भी कहा "सबको यह पता चलना चाहिए कि, इससे पहले भी जब भाजपा ने कांग्रेस नेतृत्व वाली हरीश रावत सरकार को गिराया था, उस समय उच्च न्यायालय ने टिप्पणी में कहा था कि, इस प्रकार का कृत्य "संवैधानिक महापाप है, परंतु आज पुन: भाजपा ने वही कृत्य किया है।" मार्च 2016 में, नौ कांग्रेसी विधायकों ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री हरीश रावत के खिलाफ बगावत की थी और उनकी सरकार गिर गई थी। उस समय 70 सदस्यीय सदन "सस्पैन्डेड एनिमेशन" की स्थिति में आ गई थी और प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था।

कई दिग्गज नेताओं के साथ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्तर पर मध्य प्रदेश में कांग्रेस को अपना जनाधार खड़ा करने में बरसों तक मदद की है। पचौरी ने भारतीय सेना की बहादुरी को लेकर सवाल खड़े करने का भी कांग्रेस पर आरोप लगाया। उनका इशारा शायद, मोदी सरकार द्वारा की गई क्रॉस बॉर्डर "सर्जिकल स्ट्राइक्स" के बारे में कांग्रेस के सीनियर नेताओं, खासकर मध्य प्रदेश के सीनियर नेता दिग्विजय सिंह के बयानों की ओर था।

पचौरी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि, "मैं समाज सेवा के लिए राजनीति में आया था। कांग्रेस एक जाति रहित समाज की स्थापना की बात किया करती थी, लेकिन अब वह जाति की बात कर रही है। मैं कांग्रेस द्वारा पिछले कुछ वर्षों में लिए गए राजनीतिक व धार्मिक निर्णयों में स्वयं को परेशान महसूस कर रहा हूं। मैंने रक्षा मंत्रालय में सेवाएं दी हैं, सेना की बहादुरी को लेकर कभी भी सवाल नहीं खड़े किए गए।

प्रमाण उपलब्ध करवाने जैसी बात कभी नहीं की गई। (जैसी कि सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर कांग्रेस नेताओं ने मांग की)।" भाजपा दावा करती है कि, उसने पिछले कुछ महीनों में जिला अध्यक्षों, मेयरों और सरपंचों सहित करीब 4,500 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपनी पार्टी में शामिल किया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पचौरी का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि, उनका निर्णय यह दर्शाता है कि, ईमानदार नेताओं का कांग्रेस में आदर नहीं है। उन्होंने कहा कि, "प्रत्येक पार्टी में स्वच्छ छवि के लोग हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि, कांग्रेस नेतृत्व ने देश के लिए काम करने वाले नेताओं की ओर कभी ध्यान नहीं दिया। कोई भी ईमानदार आदमी ऐसी परिस्थितियों में क्यों काम करेगा? भाजपा ऐसे ईमानदार नेताओं का स्वागत करती है। लोकतंत्र में हमने सबके साथ काम करने का संकल्प किया है।" मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने कहा कि, अपनी ईमानदारी के कारण पचौरी ने "मध्य प्रदेश के संत" की उपाधि अर्जित की है और भाजपा उन्हें अपनी पार्टी में पाकर गर्व महसूस कर रही है।

शर्मा ने कहा कि, "भाजपा में हम कैलाश जोशी को मध्य प्रदेश का संत कहेंगे और कांग्रेस में यदि किसी को यह दर्जा प्राप्त है तो वो हैं सुरेश पचौरी। इन्होंने दो प्रधानमंत्रियों के अधीन पी.एम.ओ. में काम किया। इन्होंने रक्षा मंत्रालय संभाला और सेवा दल के अध्यक्ष पद पर ना रहते हुए भी उसके राष्ट्रीय प्रमुख के रूप में सेवाएं दीं, जबकि, ऐसी परिपाटी नहीं थी।"

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, वे पचौरी को तब से जानते हैं जब से वे छात्र राजनीति में थे। उन्होंने कहा, "हम भिन्न विचार धाराओं का अनुसरण करते हैं, लेकिन मैंने इनमें जो संस्कृति देखी उसके कारण मैं बरसों से इनका प्रशंसक रहा हूं। इनके लिए कांग्रेस उपयुक्त जगह नहीं थी। ये दो प्रधानमंत्रियों के अधीन रहे, लेकिन इनके विरूद्ध नाम मात्र का भी कोई आरोप नहीं था। इन्होंने जो भी काम किया, उसी में इन्होंने अपनी छाप छोड़ी।" मुख्यमंत्री यादव की बात से सहमति जताते हुए चौहान ने कहा, "कांग्रेस का यह दुर्भाग्य है कि, ऐसा नेता उसका मार्गदर्शन कर रहे हैं जो स्वयं दिशाहीन हैं। यदि आप ऐसे अनुभवी नेता का सम्मान नहीं कर सकते तो फिर आपका अस्तित्व कैसे बना रह सकता है?" पचौरी ने कांग्रेस छोड़ने के अपने निर्णय को स्पष्ट करते हुए सीधे राम मंदिर मुद्दे की बात की। उन्होंने कहा कि, "जहां तक धर्म का संबंध है तो मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा कि, भगवान श्रीराम के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की घोषणा की गई और असंसदीय भाषा का प्रयोग करते हुए उसमें शामिल होने के निमंत्रण को ठुकरा दिया गया।

इससे मुझे पीड़ा हुई, क्योंकि मैं शुरु से ही चाहता था कि, राम मंदिर बने। किसके कार्यकाल में अयोध्य में राम मंदिर के ताले खोले गए (केन्द्र में उस वक्त कांग्रेस सत्ता में थी), तो फिर निमंत्रण अस्वीकार करने की क्या जरुरत थी? सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला दिया और हमने उसका स्वागत किया तो फिर आपने किसके दबाव में आकर निमंत्रण ठुकराया?" संयोगवश, कांग्रेस के सीनियर नेता कमलनाथ और उनके पुत्र व छिंदवाड़ा से वर्तमान सांसद के कांग्रेस छोड़ने की परेशान करने वाली अटकलों के कुछ दिन बाद ही पचौरी ने कांग्रेस से विदा ली है। सूत्रों ने बताया कि, कमलनाथ तो भाजपा में शामिल होने के लिए उत्सुक थे, लेकिन भाजपा ने ही इसके प्रति कोई गर्मजोशी नहीं दिखाई।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी टिप्पणियों में कांग्रेस के सीनियर नेता राहुल गांधी पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि, हाल ही में मध्य प्रदेश से गुजरी उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने वास्तव में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया।

यादव ने कह कि, "राहुल गांधी पदयात्रा कर रहे हैं और उनके पीछे-पीछे कांग्रेस का सफाया होता जा रहा है। मैं उनका धन्यवाद अदा करना चाहता हूँ और चाहता हूँ कि, वे दो-तीन यात्राएं और करें। वे जब भी आते हैं, माहौल हमारे पक्ष का बन जाता है। कांग्रेस की वर्तमान दशा देखिए। महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता के बाद बिल्कुल सही कहा था कि, कांग्रेस को भंग कर देना चाहिए।"

पचौरी वर्ष 1984 में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए और फिर वर्ष 1990, 1996 और 2002 में पुन: निर्वाचित हुए। तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने अपने कार्यकाल की समाप्ति के एक वर्ष पूर्व 1995 में उन्हें रक्षा राज्य मंत्री बनाया था। इसके कारण देश के सुरक्षा मसलों में उनकी भूमिका अग्रिम बन गई।

वर्ष 2004 में कांग्रेस जब केन्द्र में पुन: सत्ता में आई तो पचौरी को फिर से मंत्री बनाया गया, लेकिन इस बार उन्हें कार्मिक, लोक शिकायत व पैन्शन्स तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गय और यह पदभार उन्होंने वर्ष 2008 तक संभाला। वर्ष 2008 में ही उन्हें मध्य प्रदेश का कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया। यह पद भार उन्होंने वर्ष 2011 तक संभाला। पार्टी की कार्यकर्त विंग, कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने पार्टी का ज़मीनी समर्थन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चुनाव प्रचार के अन्तर्गत मोदी चौथी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- पर, कई महारथियों द्वारा तृणमूल पार्टी छोड़ने से, तथा कई अन्य तृणमूल पार्टी के नेता हवालात में होने के कारण, पार्टी को विशाल रैली आयोजित करने में काफी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है।

सत्तारूढ़ पार्टी पर हो रहे हमलों की प्रतिक्रिया में तृणमूल कांग्रेस रविवार को बिग्रेड परेड ग्राउण्ड पर एक रैली आयोजित कर रही है। सत्तारूढ़ पार्टी राज्य परिवहन और रिवर बसों के जरिए दूरस्थ जिलों से अपने समर्थकों को एकत्रित कर रही है।

उनके भोजन और ठहरने के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। रविवार की सार्वजनिक रैली के साथ ही तृणमूल कांग्रेस अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करेगी।

जनता को आकर्षित करने के लिए पार्टी मैदान में एक विशाल मंच बना रही है। तथापि, जेल में बैठे पार्टी के मंत्री, और सत्ता व जनता को भयभीत रखने का भारी मुद्दा हर कदम पर सुलग रहा है। विपक्षी पार्टियां इन मुद्दों को लेकर सतत रूप से अपना चुनाव प्रचार अभियान चला रही हैं।

तमिलनाडू में सिर्फ 9 सीटों पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और डी.एम.के के बीच सीट शेयरिंग के मसले पर सहमति बनी

- सीट शेयरिंग के इस फॉर्मूले के तहत, डी.एम.के. ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने प्रमुख साझेदार कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर 2019 वाला फॉर्मूला जस का तस कायम रखा है।
- डी.एम.के. अध्यक्ष व तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के. सेल्वापुरुथागई ने समझौते को अंतिम रूप दिया। इस दौरान कांग्रेस के नेता के.सी. वेणुगोपाल और अजय कुमार भी मौजूद रहे।

नई दिल्ली, 9 मार्च। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और द्रविड मुन्नेत्र कड़गम के बीच सीट शेयरिंग को लेकर सहमित बन गई है। इसके तहत, कांग्रेस तमिलनाडु में 9 और पुडुचेरी में 1 सीट पर अपना उम्म्मीदवार खड़ा करेगी। दोनों राज्यों की बाकी सीटों पर द्रमुक और गठबंधन दलों के उम्मीदवारों का कांग्रेस समर्थन करेगी। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने शनिवार शाम को यह ऐलान किया। उन्होंने यह दावा भी किया कि वे तमिलनाडु की सभी 40 सीटों पर जीत दर्ज करेंगे।

इस तरह, द्रमुक ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने प्रमुख साझेदार कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे का 2019 का फार्मूला ही कायम रखा। डीएमके अध्यक्ष व तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के. सेल्वापुरुथागई ने समझौते को अंतिम रूप दिया। इस दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी नेता केसी वेणुगोपाल और अजय कुमार भी मौजूद रहे। वेणुगोपाल ने कहा कि तमिलनाडु देश की विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ लड़ रहा है। केंद्र सरकार हर दिन तमिलनाडु के गौरव पर प्रहार करने में लगी हुई है, जिसका जनता जवाब देगी।

एक्टर से नेता बने कमल हासन की पार्टी मक्कल नीति मय्यम ने तमिलनाडु और पुडुचेरी में इंडिया के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन को समर्थन देने का फैसला किया गया है। द्रमुक एमएनएम को राज्य सभा की 1 सीट देने पर सहमत हुई है। काफी समय से ऐसी खबरें आ रही थीं कि एमएनएम लोकसभा चुनाव में द्रमुक के नेतृत्व वाले मोर्चे के साथ गठबंधन करेगी। यह देखते हुए कि हासन के स्टालिन से घनिष्ठ संबंध रहे हैं। अब इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी गई है कि दोनों पार्टियां संसदीय चुनाव में संयुक्त रूप से प्रचार करेंगी।

कमल हासन ने वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों में कोयंबटूर दक्षिण से चुनाव लड़ा था और वह असफल रहे थे। उनकी भाजपा के वनाथी श्रीनिवासन से 1,728 वोटों के मामूली अंतर से हार गए थे। द्रमुक मुख्यालय अन्ना अरिवलयम में स्टालिन और हासन की मुलाकात के बाद उनके बीच सीट बंटवारे के समझौते पर हस्ताक्षर भी किए गए। समझौते के अनुसार, को कोई लोकसभा सीट आवंटित नहीं की गई है लेकिन 2025 के राज्यसभा चुनाव में एक सीट आवंटित करने का निर्णय लिया गया है, जहां से हासन के संसद के ऊपरी सदन में प्रवेश करने की संभावना है। यह भी निर्णय लिया गया कि एमएनएम पार्टी तमिलनाडु और पुडुचेरी में लोकसभा चुनाव में द्रमुक के नेतृत्व वाले मोर्चे के लिए प्रचार करेगी।

तृतीय पुण्यतिथि

10.03.2024

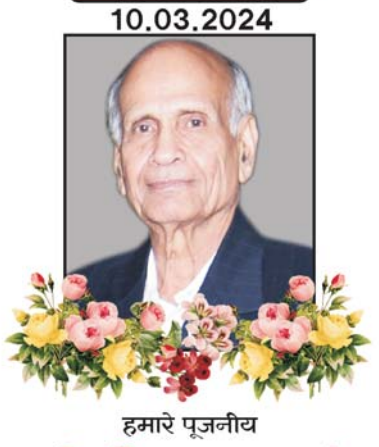

हमारे पूजनीय

श्री हरि नारायण शर्मा

(रिटायर्ड प्रो. राज. कृषि विश्वविद्यालय)

जीवन की सभी राहें आपसे आसान बनी हैं, जीवन जीने की दिशा हमें आपसे मिली है,
आपकी हर बात हमें अच्छे से याद है,
जीवन के प्रत्येक पहलू पर आपके गहन विचार हमारा मार्गदर्शन प्रतिदिन करते हैं,
इन यादों के जरिए ही आप हमारे पास रहते हैं, हर दिन हम आपकी कमी महसूस करते हैं।

श्रद्धावनत :

उषा शर्मा (पत्नी), गरिमा शर्मा-मनीष दुबे, चारू शर्मा-विनोद द्विवेदी (पुत्री-दामाद),
सौम्या, रिद्धिमा (दोहिती) एवम् समस्त परिवार और मित्रगण।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908